E
Batch – 2020-21

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : मई – २०२२

सत्र – २

विषय : विशेष साहित्यकार – प्रेमचंद (भाग – २) (HC - 202)

दि.: २१/०५/२०२२ **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो १.३०**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ प्रेमचंद जी का जीवन-दर्शन संक्षेप में समझाइए ।

प्र. २ प्रेमचंद के साहित्य सृजन का मूल उद्देश्य क्या है ?

प्र. ३ 'निर्मला' उपन्यास की कथावस्तु लिखिए ।

प्र. ४ 'सेवासदन' उपन्यास की समस्या स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ५ 'रंगभूमि' में आम आदमी के संघर्ष को किस प्रकार चित्रित किया है ?

प्र. ६ प्रेमचंद के उपन्यासों में अभिव्यक्त आदर्शवाद और यथार्थवाद स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ७ 'निर्मला' को बार बार दुःख का सामना क्यों करना पडा? – सोदाहरण लिखिए ।

प्र. ८ प्रेमचंद जी के उपन्यासों में रेखाचित्र और चित्रात्मक शैली का प्रयोग किया गया है – स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ९ **निम्नलिखित अवतरणों में किन्ही दो का संदर्भ लिखिए ।**

१) जीवन तो एक खेल है, सच्चे खिलाड़ी कभी रोते नहीं ।

२) कोई कहता है इन्हें महावीर का इष्ट है, लेकिन हमारे विचार में यह मानव-स्वभाव के ज्ञान का फल था ।

३) मेरा विश्वास है कि मेरी मुक्ति अगर मुक्ति हो सकती है तो मेरे कर्मों से होगी ।

४) जिस कारण से आप यहाँ आए हैं, उसी कारण से मैं यहाँ आई हूँ ।

प्र.१० **निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।**

१) प्रेमचंद के उपन्यासों में मनोविज्ञान

२) निर्मला

३) 'सेवासदन' का पद्मसिंह

४) 'रंगभूमि' का सूरदास